

प्रेषक,

एम0एच0खान,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. मण्डलायुक्त, कुमायूं एवं गढ़वाल मण्डल।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।

सामान्य प्रशासन विभाग

देहरादून: दिनांक 09 दिसम्बर, 2011

विषय: 16 दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में मनाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर अवगत कराना है कि उत्तराखण्ड राज्य सैन्य बाहुल्य प्रदेश है, यहाँ सेना में भर्ती होना उदरपूर्ति/जीवकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि एक त्याग, बलिदान गौरव की परम्परा है। भारत और पाकिस्तान के बीच माह दिसम्बर, 1971 में (पूर्व पाकिस्तान बांग्लादेश) लड़ाई लड़ी गई थी। भारतीय फौज ने 14 दिनों के भीषण युद्ध के दौरान पाकिस्तानी फौज को परास्त किया। पूर्वी पाकिस्तान को पाकिस्तानी फौज के चूंगल से मुक्त कराया, जो वर्तमान में बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। उक्त युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों ने अपने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया। इस अभियान में वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं वीरता के लिए पूरे देश के साथ-साथ उत्तराखण्ड राज्य द्वारा भी प्रत्येक वर्ष 16 दिसम्बर को " विजय दिवस " के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया है।

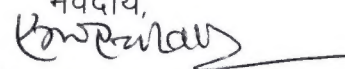
2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि दिनांक 16 दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में मनाये जाने हेतु निम्नलिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करे:-

1. आगमी 16 दिसम्बर को राज्य स्तर पर विजय दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाये। जनपद स्तर पर कार्यक्रम की पूर्ण जिम्मेदारी जनपद के जिलाधिकारी की रहेगी।
2. समारोह की व्यवस्था में परामर्श देने के लिए एक समिति बना ली जाये और उसमें सभी राजनीतिक दलों, सरकारी विभागों, शैक्षिक संस्थाओं, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय आदि के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाये। कार्यक्रम स्थानीय सुविधाओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया जाये।
3. विजय दिवस को उचित रूप से मनाये जाने के सम्बन्ध में शैक्षिक संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों को अनुदेश जारी किये



जाए। इस दिन के महत्व के बारे में गोष्ठियां और नुक्कड़ नाटक की जाए जिसमें विजय दिवस की भूमिका का विशेष रूप से उल्लेख किया जाय। प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य और नैतिक उत्तरदायित्व को इन गोष्ठियां एवं नुक्कड़ नाटक का विषय बनाया जाये जिसमें राष्ट्रीय एकता की भावना तथा सम्मान उद्देश्यों और आदेशों के संवर्धन के प्रति वचनबद्धता का भी उल्लेख किया जा सके।


4. क्षेत्रीय प्रचार यूनिटें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फिल्मों एवं चलचित्रों का आयोजन कर सकती है जिनका मूल उद्देश्यों विजय दिवस में शहीदों की भूमिका और राष्ट्रीय एकता का स्मरण करना हो।
5. विभिन्न वाणिज्य और उद्योग संघों से भी यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाए कि वे अपने सदस्यों, सम्बद्ध एसोसिएशनों तथा संगठनों को 16 दिसम्बर विजय दिवस के रूप में मनाए जाने के लिए प्रेरित करें।
6. विजय दिवस में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद सैनिकों की स्मृति में 16 दिसम्बर को उपरोक्त दिशा-निर्देशों का प्रत्येक दशा में अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय तथा प्रस्तर एक में इस विषय पर दिये गये उपायों का भी कार्यान्वयन सुनिश्चित कराया जाय।
7. प्रत्येक वर्ष 16 दिसम्बर को विजय दिवस मनाने के लिए जिलाधिकारी एक बैठक करके गत वर्ष के आयोजन की समीक्षा करेंगे तथा आगामी विजय दिवस को और अधिक हर्षोल्लास के साथ मनाने का प्रयास करेंगे।

भवदीय,

(एम0एच0खान)
सचिव

संख्या: (1)/XXXI(13)G/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
2. सचिव, मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
3. महानिदेशक, पुलिस/सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, शिक्षा विभाग/सैनिक कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
/ 
(एन0 एस0 डुंगरियाल)
अनु सचिव